

भारतीय जनता पार्टी

(केंद्रीय कार्यालय)

6ए, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली

7 सितंबर, शनिवार

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह द्वारा पलौरा, जम्मू (जम्मू-कश्मीर) में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में दिए गए संबोधन के मुख्य बिंदु

भाजपा जम्मू-कश्मीर की जनता के आशीर्वाद से पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी।

इस विधानसभा चुनाव में जम्मू-कश्मीर के मतदाता दो झंडों व दो संविधान के नीचे नहीं, बल्कि एक तिरंगे व एक संविधान के नीचे अपना मतदान करेंगे।

गुर्जर, पहाड़ी, बकरवाल, ओबीसी व दलितों को मिले आरक्षण को JKNC व कांग्रेस छीनना चाहती है, केवल भाजपा ही इसे बचा सकती है।

कांग्रेस, नेशनल काँग्रेस और पीडीपी आतंकवाद के सामने आँखें बंद करके बैठी रहती थी।

कांग्रेस व नेशनल काँग्रेस जम्मू-कश्मीर में फिर से धारा 370 और अलग झंडा लाना चाहती है।

कांग्रेस, एनसी और पीडीपी ने इतना भ्रष्टाचार किया है कि एक ओर पूरे देश में भ्रष्टाचार और दूसरी ओर इन परिवारों का भ्रष्टाचार, एक बरबार हैं।

शांतिपूर्ण, सुरक्षित, विकसित और समृद्ध जम्मू-कश्मीर का निर्माण, भाजपा का संकल्प

भाजपा 'माँ सम्मान योजना' के तहत घर की सबसे वरिष्ठ महिला को 18,000 रुपये प्रतिवर्ष दिए जाएंगे।
उज्वला योजना के लाभार्थियों को हर साल 2 एलपीजी सिलेंडर मुफ्त दी जायेगी।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने आज शनिवार को जम्मू के पलौरा में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस और नेशनल काँग्रेस के भ्रष्टाचार, विकास विरोधी और आतंकी समर्थक राजनीति की जमकर आलोचना की और एनडीए सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित किया। श्री शाह ने कहा कि राहुल गांधी कितना भी दम लगा लें, भारतीय जनता पार्टी प्रदेश के लोगों के आरक्षण और महिलाओं को मिले अधिकारों को किसी को भी छीनने नहीं देगी। कार्यक्रम के दौरान मंच पर जम्मू-कश्मीर चुनाव प्रभारी श्री जी किशन रेड्डी एवं श्री तरुण चुघ, केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह, सांसद जुगल किशोर सहित पार्टी के जम्मू-कश्मीर विधानसभा के लिए भाजपा के प्रत्याशी उपस्थित रहे।

श्री शाह ने कहा कि जम्मू तथा कश्मीर के भारत में पूर्ण एकीकरण के लिए पंडित प्रेम नाथ डोगरा जी ने प्रजा परिषद आंदोलन शुरू किया था जिसे 5 अगस्त 2019 को आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अंजाम तक पहुंचाया।

यह संयोग है कि जम्मू-कश्मीर में भाजपा के चुनावी अभियान की शुरुआत गणेश चतुर्थी के दिन से हो रही है। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव एक ऐतिहासिक चुनाव है, जहां जम्मू और कश्मीर के मतदाता दो झंडों के नीचे नहीं, बल्कि एक तिरंगे के नीचे अपना मतदान करेंगे। पहली बार 2 संविधान नहीं, बल्कि बाबा साहेब अंबेडकर के बनाए हुए संविधान के नीचे जम्मू और कश्मीर में वोटिंग होने जा रही है। पहली बार जम्मू-कश्मीर में प्रधानमंत्री नहीं चुना जाएगा। देश के प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी हैं, जिन्हें कश्मीर से कन्याकुमारी तक के लोगों ने चुना है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव पहली बार धारा 370 की परछाई से बाहर होकर लड़ा जा रहा है और इसका चमत्कार लोकसभा चुनाव में भी देखा गया। पहले की सरकारें कश्मीर घाटी में 10% मतदान पर भी खुशियां मनाती थी, मगर 2024 के लोकसभा चुनाव में कश्मीर घाटी में रिकॉर्ड 58.46% मतदान हुआ। भारतीय जनता पार्टी जम्मू-कश्मीर का आगामी विधानसभा चुनाव जोरदार तरीके से लड़ेगी और बहुमत से सरकार भी बनाएगी। भारतीय जनता पार्टी की मूल इकाई पार्टी के कार्यकर्ता होते हैं। भाजपा की सबसे बड़ी ताकत नेता नहीं, बल्कि बूथ अध्यक्ष होता है। जब बूथ कार्यकर्ता भारत माता के जयकारे के साथ चुनाव में उतरते हैं, तो अच्छे-अच्छे नेता मैदान छोड़ देते हैं। जम्मू-कश्मीर में भाजपा कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर प्रदेश में हुए परिवर्तनों को बताना है। जम्मू-कश्मीर के लोगों को 70 सालों तक अपने विकास और अधिकार के लिए लड़ना, संघर्ष और आंदोलन करने पड़ते थे। बाबा अमरनाथ की यात्रा के लिए महीनों तक संघर्ष करना पड़ता था। मगर आज यह सब करने की आवश्यकता नहीं है, जो भी जम्मू-कश्मीर के लोगों को चाहिए, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी वह सब प्रदान कर रहे हैं। इस बार बाबा अमरनाथ की यात्रा के लिए सबसे अधिक 5 लाख 12 हजार यात्रियों ने आराम से बाबा के दर्शन किए। भाजपा के कार्यकर्ता यह सभी बातें घर-घर में जाकर बताएं और मतदान के दिन सुबह 7 बजे से लोगों को मतदान केंद्र पर लाकर, रिकॉर्ड मतदान करवाएँ। भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता को मतदान के दिन अपने परिवार सहित 4 परिवारों का मतदान सुबह 11 बजे से पहले करवाना है। वह दिन अब पुराने हुए जब कोई और तय करता था कि किसकी सरकार बनेगी, अब जम्मू के लोगों को तय करना है कि किसे सत्ता सौंपनी है।

श्री शाह ने कहा कि भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के विभाजनकारी एजेंडे को उजागर करना है। जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस फिर से अलग झंडा लाने वाले हैं। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस फिर से धारा 370 लाना चाहते हैं, कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस गुर्जर, बकरवाल, पहाड़ी, ओबीसी और दलित का आरक्षण छीनना चाहते हैं। राहुल गांधी कितना भी दम लगा लें, भारतीय जनता पार्टी प्रदेश के लोगों के आरक्षण को किसी को भी छीनने नहीं देगी। धारा 370 हटने के बाद, जम्मू-कश्मीर की महिलाओं को जो अधिकार मिले हैं, कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस उन्हें फिर से छीनना चाहती है। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस पत्थरबाजों और आतंकियों को जेल से मुक्त कराना चाहती है। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस फिर से एलओसी के ट्रैड को शुरू कर, आतंकियों को पैसा पहुंचाना चाहते हैं। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस कहते हैं कि हम पाकिस्तान से बात करेंगे, लेकिन जब तक सीमा पर शांति नहीं होती तब तक पाकिस्तान से कोई बात नहीं होगी। कश्मीर के पहाड़ों पर आदिशंकराचार्य ने चातुर्मास किया उसका नाम वो तख्त-ए-सुलेमान रखना चाहते हैं। कांग्रेस का परिवार, अब्दुला परिवार और मुफ्ती परिवार जम्मू कश्मीर को फिर से भ्रष्टाचार की आग में झोंकना चाहते हैं। इन तीनों परिवारों से अरबों-खरबों रुपये लूटे हैं पहले जैसी व्यवस्था को जम्मू और कश्मीर में वापस लाना चाहते हैं। जिस स्वायत्तता ने जम्मू और कश्मीर को आग में झोंक दिया, जिसकी वजह से 40 हजार लोग मारे गए, यह कहते हैं जम्मू और कश्मीर को वही स्वायत्तता देंगे लेकिन अब कोई भी ताकत स्वायत्तता की बात नहीं कर सकती।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने राहुल गांधी और फारुख अब्दुल्लाह से प्रश्न किया कि वो जम्मू और कश्मीर को राज्य का दर्जा कैसे वापस देंगे? राज्य का दर्जा देने का अधिकार केन्द्र सरकार का है तो ये जम्मू और कश्मीर की जनता को मूर्ख क्यूं बना रहे हैं? यह कार्य केवल केन्द्र सरकार और आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ही दे सकते हैं। केन्द्र सरकार चुनाव के बाद जम्मू और कश्मीर को उचित समय पर राज्य का दर्जा वापस देगी। कांग्रेस व एनसी वही मांग कर रहे हैं जो भाजपा संसद में पहले ही कह चुकी है। भारतीय जनता पार्टी की मोदी सरकार ने वर्षों से गुर्जरों, पहाड़ी और पिछड़े भाइयों की आरक्षण की मांग को पूरा किया। ये एनसी, कांग्रेस और

पीडीपी वाले इनका आरक्षण छीनना चाहते हैं और इसे केवल भारतीय जनता पार्टी ही बचा सकती है। कश्मीर ने बहुत लंबे समय तक आतंक झेला है, कश्मीर में ऐसी सरकारें थीं जो आतंकवाद के सामने आंखें बंद करके बैठे थे। ऐसे लोग भी थे जो शांति होती थी तो यहां आकर मुख्यमंत्री बन जाते थे और आतंकवाद फैलता था तो दिल्ली में जाकर कॉफी पीते थे। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कार्यकाल में जम्मू और कश्मीर में आतंक की घटनाओं में 70 प्रतिशत तक कमी लाने का कार्य किया गया है।

श्री शाह ने कहा कि कई वर्षों बाद अमरनाथ यात्रा भयमुक्त गई, 5 लाख लोग दर्शन करके आए, कई वर्षों बाद घाटी में रात में थियेटर शुरू हुआ, ताजिया का जुलूस निकल और जम्मू व कश्मीर की कई यात्राएं निर्विरोध समाप्त हुईं। अगर उन तीनों परिवारों में से कोई सरकार में आया तो आतंकवाद भी आएगा। **जम्मू और कश्मीर के लोगों को यह तय करना है कि उन्हें आतंकवाद चाहिए या चैन, शांति और विकास चाहिए। एनसी आई तो आतंकवाद आएगा और भाजपा आई तो किसी की ताकत नहीं है कि जम्मू और कश्मीर में आतंक फैला सके।** जिन पंचायत चुनावों को तीन परिवार रोक कर बैठे थे, उन्हें भाजपा ने सफलतापूर्वक कराया। भाजपा ने अकले जम्मू में 32 हजार करोड़ से अधिक की लागत से विकास कार्य किए हैं। **जम्मू और कश्मीर को आईआईटी और आईआईएम देने का कार्य आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया है। कई सारे कॉलेज बनाए गए, लगभग 25,200 करोड़ की लागत से राज्य में विभिन्न हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स का निर्माण किया गया है।** ढेर सारे बिजली उत्पादन संयंत्र राज्य में स्थापित किए गए हैं जो आने वाले समय में जम्मू को सरप्लस बिजली बजट वाला राज्य बनाएंगे।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि पहले की तरह तीनों परिवार जम्मू और कश्मीर को आतंक की आग में झोंकना चाहते हैं। **जम्मू के भाजपा कार्यकर्ता एक कार्यकर्ता, 4 परिवार का फॉर्मूला कर दें तो जम्मू को आतंकवाद की आग से हमेशा के लिए बचाने का कार्य भारतीय जनता पार्टी करेगी।** कुछ लोग अफवाह फैला रहे हैं कि जम्मू और कश्मीर में एनसी की सरकार बनने जा रही है लेकिन यह स्पष्ट है कि जम्मू और कश्मीर में एनसी व कांग्रेस की सरकार कभी नहीं बन सकती। यह वो लोग हैं जिन्होंने जम्मू और कश्मीर के विलय के बाद महाराजा हरि सिंह को जम्मू से बाहर निकाल दिया, उन्हें कभी आने नहीं दिया। वर्षों तक इन्होंने राजा हरि सिंह के जन्मदिन पर छुट्टी नहीं की लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने छुट्टी घोषित करके जम्मू और कश्मीर का भारत में विलय करने वाले हरि सिंह का सम्मान किया है। **कांग्रेस, एनसी और पीडीपी ने इतना भ्रष्टाचार किया है कि एक ओर पूरे देश का भ्रष्टाचार और दूसरी ओर इन परिवारों का भ्रष्टाचार एक बरबार हैं।** अगर इतना पैसा जम्मू और कश्मीर के विकास में खर्च होता तो आज राज्य में कोई काम बाकी नहीं होता। **भाजपा ने तय किया है कि 'माँ सम्मान योजना' के तहत घर की सबसे वरिष्ठ महिला को 18,000 रुपये प्रतिवर्ष उनके जीवन यापन के लिए प्रदान किए जाएंगे। उज्वला योजना के लाभार्थियों को हर साल 2 एलपीजी सिलेंडर निशुल्क दिए जाएंगे।** जम्मू-कश्मीर की आरक्षण नीति का पालन करते हुए सामान्य कोटा को प्रभावित किए बिना जम्मू कश्मीर के अग्रिवीरों को प्राथमिकता दी जाएगी। **हर किसान को आदरणीय प्रधानमंत्री जी जो 6 हजार रुपये भेज रहे हैं उसमें 4 हजार राज्य की तरफ से जोड़कर दिए जाएंगे। राज्य में पर्यटन का विकास किया जाएगा।** कृषि गतिविधियों के लिए बिजली दर को 50 प्रतिशत कम किया जाएगा। जम्मू और कश्मीर दोनों जगहों पर मेट्रो चलाने का कार्य किया जाएगा। 1,000 मंदिर जो अब खंडर हो चुके हैं, उनका जीर्णोद्धार किया जाएगा और वहां अखंड पूजा हो इसकी व्यवस्था भारतीय जनता पार्टी की सरकार करेगी।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि **जम्मू-कश्मीर का समग्र विकास भारतीय जनता पार्टी का लक्ष्य है।** घाटी के लोगों ने जब-जब फारुख और उनके परिवार को सत्ता दी, वे सभी इंग्लैंड चले जाते थे। **कश्मीर में आतंकवाद के कारण घाटी के युवाओं को अपनी जान देनी पड़ी।** भाजपा जनता से आग्रह करती है कि कांग्रेस ओर नेशनल कॉन्फ्रेंस फिर से सत्ता में न लाएं, वरना उनका एजेंडा कश्मीर में फिर से आतंकवाद लाने का है और **विकास की इस बयार को रोकने का है।** आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पहली बार जम्मू के सम्मान को लौटाने का कार्य किया है। श्री शाह ने भाजपा के कार्यकर्ताओं से मतदान की तिथि तक लोगों को कांग्रेस ओर नेशनल कॉन्फ्रेंस के फिर से जम्मू-कश्मीर को बदहाली और आतंक में धकेलने के एजेंडे के बारे में आगाह करने को कहा और प्रदेश में विकास की बयार को आगे बढ़ाने के लिए भारतीय जनता पार्टी के विधायक प्रत्याशियों को जिताने और प्रचंड बहुमत से भाजपा सरकार बनाने की अपील की। *****